पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने सचिव एम0बी0 क्लब को पत्र लिखा
आवश्यक संशोधन करते हुए भारतीय वेश-भूषा को समाहित करें - राज्यपाल

लखनऊः 29 सितम्बर, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने 'द मोहम्मद बाग क्लब लिमिटेड' (एम0बी0 क्लब) लखनऊ के सचिव को पत्र लिखकर सुझाव दिया है कि क्लब के पदाधिकारियों/सदस्यों की शीघ्र बैठक बुलाकर क्लब के सदस्यों/अतिथियों के लिए क्लब की नियमावली में निर्धारित की गयी वेश-भूषा में आवश्यक संशोधन करते हुए उसमें परम्परागत भारतीय वेश-भूषा को समाहित करें। उन्होंने यह भी कहा है कि कार्यवाई शीघ्र सुनिश्चित करके उन्हें भी अवगत कराया जाये। राज्यपाल ने पत्र की प्रति मौलाना डाॅ0 कल्बे सादिक को भी भेजी है।

राज्यपाल ने अपने पत्र में कहा है कि क्लब की नियमावली में सदस्यों/अतिथियों के लिए जो वेश-भूषा निर्धारित की गई है, वह वस्तुतः अंग्रेजों के द्वारा भारतीयों पर थोपी गई वेश-भूषा है जिसे देश की आजादी के इतने वर्षो बाद भी भारतीयों पर थोपे रहने का कोई औचित्य नहीं है। उपरोक्त प्रकार के परम्परागत भारतीय परिधान पहनकर आने की मनाही संसद, राज्यों के विधानमण्डलों, राजकीय समारोहों आदि में भी नही है अपितु राजकीय समारोहों में लोग प्रायः उपरोक्त प्रकार की परम्परागत भारतीय वेश-भूषा में ही आते हैं।

श्री नाईक ने यह भी कहा है कि एम0बी0 क्लब द्वारा प्रेषित पूर्व पत्र में उल्लेख किया गया है कि समय समय पर क्लब के बाई-लाॅज में निर्धारित वेश-भूषा को वर्तमान प्रथा एवं परिस्थितियों को देखते हुए संशोधित किया जाता है और इसी के अन्तर्गत जीन्स एवं कालर्ड टी शर्ट को भी सम्मिलित किया गया है। उन्होंने कहा कि इसी क्रम में यह उचित प्रतीत होता है कि अब एम0बी0 क्लब में भी आधुनिक स्वतंत्र भारत की संस्कृति के अनुसार भारतीय परम्परागत वेश-भूषा को भी निर्धारित डेªस कोड में स्थान मिलना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि डाॅ0 आर0पी0 सक्सेना तथा श्रीमती सपना उपाध्याय द्वारा 12 सितम्बर, 2015 को ईश्वर चाइल्ड वेल्फेयर फाउण्डेशन के स्थापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन 'द मोहम्मद बाग क्लब लिमिटेड' में किया गया था। कार्यक्रम में आयोजकों द्वारा मुस्लिम समुदाय के प्रख्यात धर्मगुरु डाॅ0 कल्बे सादिक को भी आमंत्रित किया गया था। डाॅ0 सादिक उक्त तिथि को क्लब पहुॅचे तब उन्हें क्लब में प्रवेश करने से मना करते हुए गेट से ही यह कहते हुए वापस लौटा दिया गया कि डाॅ0 सादिक क्लब की नियमावली में निर्धारित की गयी वेश-भूषा में नहीं आये थे। इस घटना को गंभीरता से लेते हुए राज्यपाल ने एम0बी0 क्लब के सचिव को एक पत्र भी भेजा था।